

संवाद-पत्र

वाराणसी स्मार्ट सिटी

जून, जुलाई व अगस्त, 2021 माह हेतु ई-न्यूज़लेटर, अंक-1



अनुक्रमणिका

सीईओ की कलम से

वाराणसी स्मार्ट सिटी-अध्यात्म व आधुनिकता का समन्वय

पहल विकास की

गतिविधियां

फोटो गैलरी

बातों की बात...

01

02

03

05

10

11



सीईओ की कलम से...

प्रिय नागरिकों,

भारत की आध्यात्मिक राजधानी कहा जाने वाला शहर वाराणसी न केवल ज्ञान और अध्यात्म का समागम है बल्कि वर्षों से इतिहास और संस्कृति को भी अपने अन्दर संकलित किए हुए है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की योजना 'स्मार्ट सिटी मिशन' अंतर्गत चयनित 100 शहरों में वाराणसी का भी चयन किया गया है जो अब विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा क्रियान्वित की जा रही परियोजनाओं का उद्देश्य न केवल नगरवासियों, दर्शनार्थियों एवं पर्यटकों की सुविधा सुनिश्चित करना है बल्कि शंभू के त्रिशूल पर विराजमान काशी की प्राचीनता और विरासत को संरक्षित करना भी है।

वाराणसी स्मार्ट सिटी अंतर्गत हम एक विस्तृत कार्य प्रणाली पर काम कर रहे हैं जिसके अंतर्गत एरिया बेस्ड डेवलपमेंट को बढ़ावा देना, सार्वजनिक स्थलों का पुनर्विकास, शहरी क्षेत्रों में पुनरोद्धार और पुनर्विकास करना, सुगम यातायात, खुले व खाली स्थानों को चिन्हित कर उनका विकास करना, शहरी धरोहर को संरक्षित रखना आदि शामिल है।

शहर में यातायात को सुगम बनाने हेतु गोदौलिया में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण पूर्ण हो गया है तथा बेनियाबाग और टाउनहॉल में भूमिगत पार्किंग और पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। काशी की अखंड प्राचीनता को संरक्षित करने के लिए काशी के पुराने बाड़ों का पुनर्विकास, पर्यटन सुविधा के आशय से घाटों पर हेरिटेज साइनेज की स्थापना तथा संपूर्ण शहर में सुरक्षा की दृष्टि से एडवांस सर्विलांस कैमरों की स्थापना कराई जा रही है।

इसके अतिरिक्त, स्वच्छ गंगा के लिए सीएनजी चलित नाव, उज्जवल भविष्य के लिए मछोदरी स्मार्ट स्कूल की स्थापना और भारत-जापान की दोस्ती का अनूठा स्तंभ, 'रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर' का निर्माण, वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा क्रियान्वित परियोजनाओं में शामिल है। साथ ही अन्य परियोजनाएं भी हैं जिस पर वाराणसी स्मार्ट सिटी कार्य कर रहा है।

हमारा विश्वास है कि यह ई-गवर्नेंस अधिक से अधिक नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा तथा नगरवासियों और हमारे बीच के सामन्जस्य को मजबूती प्रदान करने के लिए निश्चित रूप से एक सकारात्मक कदम सिद्ध होगा।



प्रणय सिंह (आईएस)

नगर आयुक्त, वाराणसी,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी, वाराणसी स्मार्ट सिटी

भारत की अखंडता व सामर्थ्य यहां की विशाल विविधता, संस्कृति और सभ्यता में निहित है। वाराणसी - दुनिया का सबसे प्राचीन सभ्यता वाला शहर है जो अपने मंदिरों और घाटों से अपनी भव्यता का परिचय देता है। वाराणसी, प्राचीन गुंबदों, आश्रमों, पुजारियों और संकरी गलियों में बनारसी साड़ियों से भरी दुकानों का एक समागम है जो आकर्षक व आध्यात्मिक स्थान का प्रतिनिधित्व करता है। शहर के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के दृढ़ विश्वास के साथ स्मार्ट सिटी मिशन के तहत एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड (वीएससीएल) का गठन किया गया है।

गठन के बाद से ही वाराणसी स्मार्ट सिटी ने स्वच्छता, विद्युत, यातायात प्रबंधन, शहरी कायाकल्प और नागरिक-अनुकूल शासन से संबंधित कई योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है साथ ही समग्र प्रशासनिक दक्षता में सुधार और सार्वजनिक सुविधाओं तक लोगों की आसान पहुंच सुनिश्चित की है। वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड ऐसी विकासशील परियोजनाओं को बढ़ावा देता है जो नागरिकों के सामाजिक उत्थान के अनुकूल हों, शहर के बुनियादी ढांचे और जीवन की गुणवत्ता को उन्नत करती हों तथा जिससे वाराणसी की मूल संस्कृति को बढ़ावा मिले।



पहल विकास की...

वाराणसी स्मार्ट सिटी अंतर्गत क्रियान्वित हो रही परियोजनाएं :-



सुरम्य काशी

- कुंड तथा ओवरहेड टैंक का सौंदर्यीकरण और फ्लाईओवर के नीचे अर्बन प्लेसमेकिंग
- ऑडियो-विजुअल आई टी सल्यूशन के माध्यम से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर एवं गंगा आरती का सांस्कृतिक उत्थान

निर्मल काशी

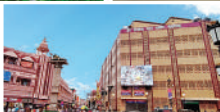
- डीज़ल नावों का सीएनजी नावों में परिवर्तन
- बायोगैस प्लांट की स्थापना
- सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट
- तालाबों और कुंडों का पुनरोद्धार
- घाटों का पुनरोद्धार और फसाड रिस्टोreshन

सुरक्षित काशी

- काशी इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना
- एडवांस सिटी सर्विलांस
- आपातकालीन सेवाएं

पहल विकास की...

वाराणसी स्मार्ट सिटी अंतर्गत क्रियान्वित हो रही परियोजनाएं :-



एकीकृत काशी

- काशी के पुराने बाड़ों का पुनर्विकास
- पार्कों का पुनर्विकास
- खिड़किया घाट का पुनर्विकास

समुन्नत काशी

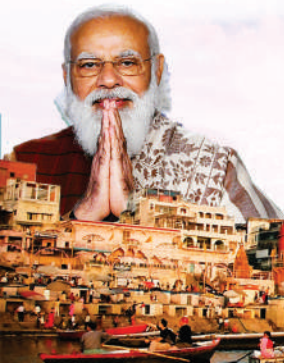
- रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र
- स्मार्ट स्कूल-मच्छोदरी, राजघाट और अन्य स्कूल
- दशाश्वमेध घाट पर पर्यटक सुविधाओं एवं बाजार परिसर का विकास

संयोजित काशी

- गोदौलिया मल्टीलेवल पार्किंग
- टाउन हॉल पार्क एवं भूमिगत पार्किंग
- बेनियाबाग पार्क एवं भूमिगत पार्किंग
- गोदौलिया-मैदागिन एबीडी रोड
- ई-बस चार्जिंग स्टेशन

अन्य पहल

- इंडिया साइकिल फॉर चेंज चैलेंज
- ट्रांसपोर्ट फॉर ऑल
- द अर्बन लर्निंग इंटर्नशिप प्रोग्राम (ट्यूलिप)
- आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा फैलोशिप प्रोग्राम



हेरिटेज साइनेज एट घाट

₹ 5.08 करोड़

- वाराणसी के प्रमुख घाटों पर 4 तरह के साइनेज लगाए गए हैं।
- इससे काशी के पौराणिक व ऐतिहासिक महत्व को बढ़ाया मिलेगा।
- अधिक जानकारी के लिए साइनेज पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन किया जा सकता है।



मखोदरी स्मार्ट स्कूल एवं कौशल विकास केंद्र

₹ 14.21 करोड़

- परिसर का कुल क्षेत्रफल: 4600 वर्ग मीटर।
- स्कूल का क्षेत्रफल: 1400 वर्ग मीटर।
- सुविधाएं:
 1. स्मार्ट बलास रूम
 2. खेल का मैदान
 3. पुस्तकालय
 4. बहुउद्देशीय हॉल
 5. लिफ्ट
 6. डांस, आर्ट व कंप्यूटर प्रशिक्षण की सुविधाएं
 7. वर्षा जल संचयन प्रणाली
 8. दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लाभ होगा



7 पार्कों का सौंदर्यीकरण

₹ 4.45 करोड़

- सुविधाएं:
 1. ओपन जिम
 2. किड्स प्ले एरिया
 3. लैंडस्केपिंग
 4. घाँसे और बेंचे (Benches)
- पार्कों के सौंदर्यीकरण से काशीवासियों की जीवन शैली स्वस्थ व बेहतर होगी।



गोदौलिग्रा मल्दीलेवल दो पहिया पार्किंग

₹ 21.17 करोड़

- ① कुल क्षमता: 375 दो पहिया वाहन
- ① भूतल पर दुकानें, पुलिस बूथ आदि
- ① सुगम यातायात



रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र

₹ 186 करोड़

- ① एक अत्याधुनिक सम्मेलन केंद्र
- ① मुख्य हॉल में करीब 1200 लोगों के बैठने की क्षमता
- ① इंटीग्रेटेड बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम
- ① बेसमेंट पार्किंग
- ① जापानी सहायता व तकनीक से निर्मित
- ① बड़े सम्मेलनों, संगोष्ठियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक आकर्षक गंतव्य



ऑडियो-विजुअल आई टी सल्यूशन के माध्यम से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर एवं गंगा आरती का सांस्कृतिक उत्थान

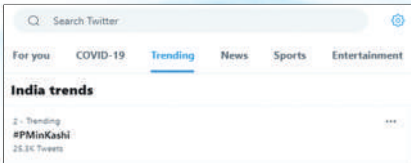
₹ 8.85 करोड़

- ① 6 स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाई गई है
- ① एलईडी के माध्यम से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अनुष्ठान व गंगा आरती का लाइव प्रसारण किया जा रहा है
- ① आधुनिक साउंड सिस्टम से लेस स्क्रीन पर अन्य जरूरी सूचनाएँ भी प्रसारित हो रही हैं

गतिविधियां



माननीय प्रधानमंत्री के वाराणसी आगमन पर
15 जुलाई 2021 को ट्विटर पर ट्रेंड हुए हैशटैग की एनालिटिक्स
#PMinKashi Trended at No. 2



Total Tweets



31.8K

Reach



17M

Engagement



43K

Impressions



361K



कोविड-19 और वाराणसी

कोविड-19 महामारी के प्रकोप और केंद्र सरकार द्वारा देशव्यापी लॉकडाउन लगाने के पश्चात, वाराणसी स्मार्ट सिटी ने काशी इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की जिसने काशी के लोगों के लिए एक एकीकृत वॉर रूम के रूप में प्रभावी ढंग से काम किया। शहर के प्रमुख स्तंभों की इकाइयों जैसे स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, जिला प्रशासन, खाद्य आपूर्ति, पुलिस बल, टेलीमेडिसिन आदि को एक छत के नीचे स्थापित किया गया जिससे नागरिकों से संपर्क साधा जा सके तथा उनकी सुविधा के लिए काम किया जा सके और प्रत्येक वाराणसी के नागरिकों को सुरक्षित होने का विश्वास दिलाया जा सके।

जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) जैसी तकनीक का उपयोग लॉकडाउन के दौरान किराना, फल व सब्जी विक्रेताओं, मेडिकल स्टोर और अन्य आवश्यकताओं की मैपिंग के लिए किया गया।

एकीकृत वॉर रूम ने एक महीने में 9000+ शिकायतों का निस्तारण कर प्रौद्योगिकी और विश्लेषण के एक मजबूत समागम का उदाहरण पेश किया जो एक मील का पत्थर साबित हुआ।

इन सभी उपलब्धियों को बोस्टन कंसल्टेंट ग्रुप जैसे कई प्रतिष्ठित प्लेटफार्मों पर मान्यता भी प्राप्त हुई तथा सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त वाराणसी स्मार्ट सिटी को कोविड-19 प्रबंधन में *SKOCH Gold Award* तथा स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा *COVID Innovation Award* से भी सम्मानित किया गया।

साझेदारी



IIT-BHU



फोटो गैलरी



उदास कन्येशन सेंटर, वाराणसी के उद्घाटन के दौरान मा0 प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ।



मा0 प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी स्मार्ट सिटी अंतर्गत विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया ।



वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा हेडिटेज साईनेज एंड घाट परियोजना अंतर्गत लगाए गए स्कल्पर साईनेज ।



मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा मोदीलिया मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण ।



वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा काशी के बाहों का पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है ।



मा0 प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वाराणसी को मिली "मछेरेटी स्मार्ट स्कूल एवं कौशल विकास केंद्र" की शोभात



07 पार्कों के सौंदर्यीकरण से काशीवासियों को मिलेगी स्वस्थ और बेहतर जीवनशैली ।



काशी में खिड़किया घाट होना पर्यटन का नया केंद्र । वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा कराया जा रहा है पुनर्विकास ।



वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा बैलियाबाग क्षेत्र में स्मार्ट पार्क एवं भूमिगत पार्किंग का निर्माण कराया जा रहा है ।



वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा टाउन हॉल पार्क एवं भूमिगत पार्किंग का निर्माण कराया जा रहा है ।

बातों की बात...

अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वाराणसी स्मार्ट सिटी हर संभव प्रयास कर रहा है जिससे हमारे कार्यों को योजनाबद्ध व प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सके। इसके अतिरिक्त 'क्षेत्र आधारित विकास' पर केंद्रित होने के साथ एक व्यापक रणनीति पर कार्य किया जा रहा है जिसमें सार्वजनिक उपयोगिताओं के स्थानों का पुनर्विकास, कायाकल्प व सौंदर्यीकरण शामिल है तथा 'पैन-सिटी सॉल्यूशन' के दृष्टिकोण से भी कार्य किए जा रहे हैं जिसके तहत पूरे शहर में आईटी सॉल्यूशन, शहरी यातायात प्रबंधन और आवागमन को समाहित किया गया है। 'स्मार्ट वाराणसी' के सपने को साकार करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने की प्रक्रिया चल रही है।

नगरवासियों द्वारा दिखाए गए सहयोग व उत्साह से इन परियोजनाओं के निष्पादन की दिशा में काम कर रही टीम को प्रोत्साहन मिल रहा है। एक साथ काम करते हुए, नागरिक, अधिकारी व अन्य सभी हितधारक निश्चित रूप से विश्व पटल पर वाराणसी को एक स्मार्ट तथा स्थिर शहर बनाएंगे तथा काशी को "सांस्कृतिक और विरासत का केंद्र" की गौरवपूर्ण पहचान दिलाएंगे।

